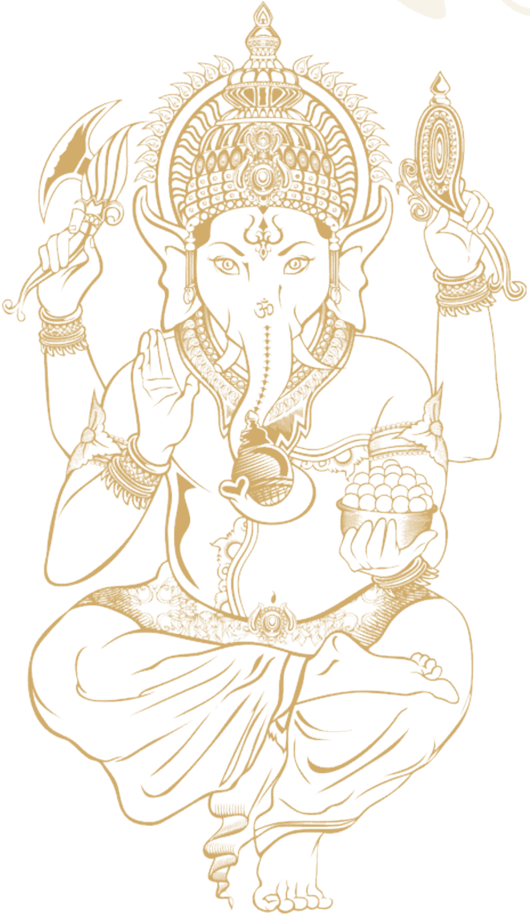

Chintu

02 Aug 1991

04:34 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120998305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/08/1991**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:34:00 घंटे**
इष्ट	57:09:39 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:12:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:20 घंटे
साम्पातिक काल	00:53:04 घंटे
सूर्योदय	05:42:08 घंटे
सूर्यास्त	19:12:21 घंटे
दिनमान	13:30:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:26:51 कर्क
लग्न के अंश	29:59:25 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:59:25	308:50:52	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	15:26:51	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	26:36:01	13:09:43	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	17:03:04	00:37:27	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	10:39:40	00:28:49	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	27:17:04	00:12:59	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	उच्च राशि
शुक्र	व		सिंह	13:34:28	00:01:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	09:19:22	00:04:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	25:01:09	00:01:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:01:09	00:01:34	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:59:19	00:02:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		धनु	20:59:14	00:01:26	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	23:49:25	00:00:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मीन	20:40:18	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:39

लग्न-चलित

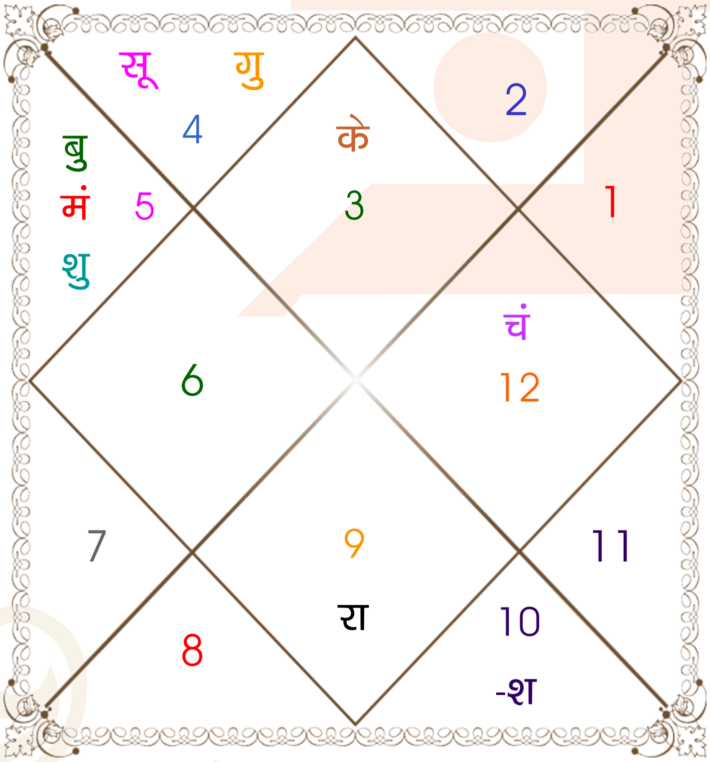

चन्द्र कुंडली

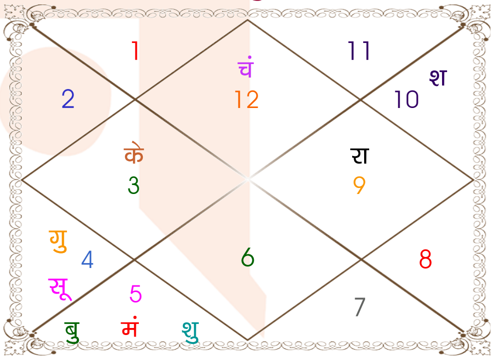

नवमांश कुंडली

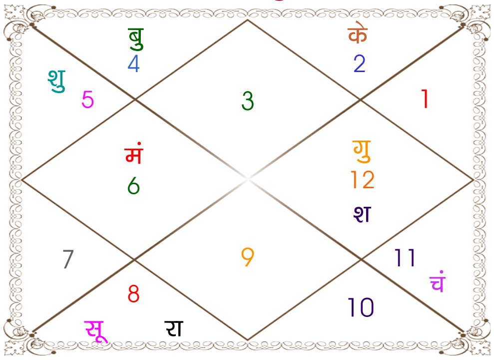

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 4 मास 0 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/08/1991		02/12/1995		02/12/2002		02/12/2022		01/12/2028	
02/12/1995		02/12/2002		02/12/2022		01/12/2028		02/12/2038	
	00/00/0000	केतु	29/04/1996	शुक्र	02/04/2006	सूर्य	21/03/2023	चंद्र	02/10/2029
	00/00/0000	शुक्र	29/06/1997	सूर्य	02/04/2007	चंद्र	20/09/2023	मंगल	03/05/2030
	00/00/0000	सूर्य	04/11/1997	चंद्र	01/12/2008	मंगल	26/01/2024	राहु	01/11/2031
	00/00/0000	चंद्र	05/06/1998	मंगल	31/01/2010	राहु	19/12/2024	गुरु	02/03/2033
	00/00/0000	मंगल	01/11/1998	राहु	31/01/2013	गुरु	08/10/2025	शनि	02/10/2034
	00/00/0000	राहु	20/11/1999	गुरु	02/10/2015	शनि	20/09/2026	बुध	02/03/2036
	02/08/1991	गुरु	26/10/2000	शनि	02/12/2018	बुध	27/07/2027	केतु	01/10/2036
गुरु	24/03/1993	शनि	04/12/2001	बुध	02/10/2021	केतु	02/12/2027	शुक्र	02/06/2038
शनि	02/12/1995	बुध	02/12/2002	केतु	02/12/2022	शुक्र	01/12/2028	सूर्य	02/12/2038

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/12/2038		01/12/2045		02/12/2063		02/12/2079		02/12/2098	
01/12/2045		02/12/2063		02/12/2079		02/12/2098		00/00/0000	
मंगल	30/04/2039	राहु	14/08/2048	गुरु	19/01/2066	शनि	05/12/2082	बुध	30/04/2101
राहु	17/05/2040	गुरु	07/01/2051	शनि	01/08/2068	बुध	14/08/2085	केतु	28/04/2102
गुरु	23/04/2041	शनि	13/11/2053	बुध	07/11/2070	केतु	23/09/2086	शुक्र	25/02/2105
शनि	02/06/2042	बुध	02/06/2056	केतु	14/10/2071	शुक्र	22/11/2089	सूर्य	02/01/2106
बुध	30/05/2043	केतु	20/06/2057	शुक्र	14/06/2074	सूर्य	04/11/2090	चंद्र	03/06/2107
केतु	26/10/2043	शुक्र	20/06/2060	सूर्य	02/04/2075	चंद्र	05/06/2092	मंगल	30/05/2108
शुक्र	26/12/2044	सूर्य	15/05/2061	चंद्र	01/08/2076	मंगल	14/07/2093	राहु	18/12/2110
सूर्य	02/05/2045	चंद्र	13/11/2062	मंगल	08/07/2077	राहु	20/05/2096	गुरु	03/08/2111
चंद्र	01/12/2045	मंगल	02/12/2063	राहु	02/12/2079	गुरु	02/12/2098		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 3 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोंतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।